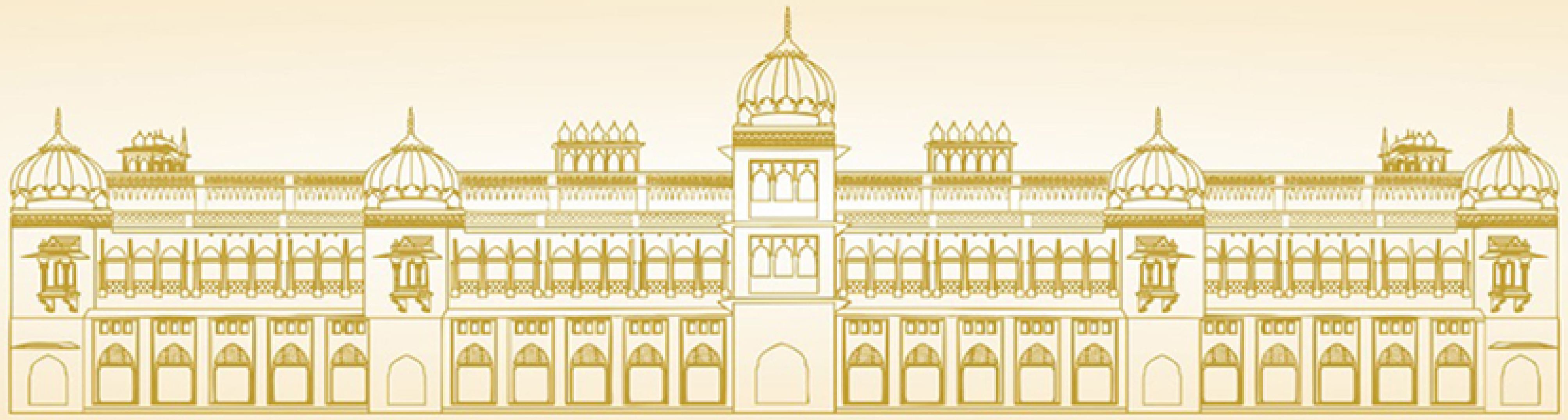

UNIVERSITY NEWS 25 APRIL 2026

NBT

फिर चालू होंगे हॉस्टल, कैंपस में मिलेगी ओपन जिम की सुविधा

शासन की ग्रांट के बाद चमका आर्ट्स कॉलेज, नए कलेवर में नजर आने लगे भवन

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के 100 साल पुराने आर्ट्स कॉलेज भवन को अब फिर से संवारा गया है। मेंटनेंस के अभाव में कॉलेज की बिल्डिंग जर्जर हो गई थी। साथ ही लंबे समय से हॉस्टल जर्जर होने के कारण के यहां पढ़ने वाले छात्रों को किराये का कमरा लेकर रहना पड़ रहा था। कॉलेज की ओर से अब हॉस्टल का भी रेनोवेशन कर दिया गया है। इससे अब यहां छात्रों को हॉस्टल भी कॉलेज में ही मिल सकेगा। इसके अलावा कॉलेज में अब छात्रों के लिए ओपन एयर जिम भी शुरू किया गया है।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. रतन कुमार ने बताया कि कॉलेज के भवनों का निर्माण 1911 में ब्रिटिश शासनकाल में हुआ था। इसके चलते यहां की बिल्डिंग अब काफी खराब हो गई थी। प्रदेश सरकार की ओर से पांच करोड़ की ग्रांट दी गई थी। इसकी मदद से महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन, ललित कला विभाग, टेक्सटाइल विभाग, सेरामिक विभाग सहित विभिन्न भवनों का पुनरुद्धार कार्य कराया गया। इसके अतिरिक्त परिसर स्थित छात्रावास भवन का भी व्यापक नवीनीकरण पूर्ण किया गया। शासन के सहयोग से परिसर में सड़क निर्माण और ओपन एयर जिम की स्थापना भी कराई गई। इससे यहां रहने वाले छात्रों को जिम की भी सुविधा मिल सकेगी। वर्तमान में यहां स्नातक स्तर पर पेंटिंग, अप्लाइड आर्ट, मूर्तिकला तथा टेक्सटाइल डिजाइन के पाठ्यक्रम संचालित हैं।

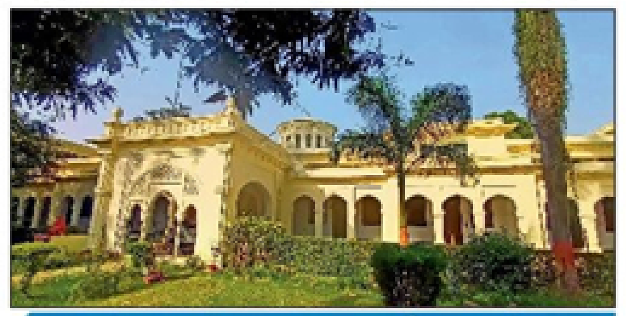

बीस करोड़ का बजट विचाराधीन

प्रिंसिपल डॉ. रतन कुमार ने बताया कि कॉलेज की ओर से बीस करोड़ के बजट का एक विस्तृत प्रस्ताव शासन को भेजा है जो विचाराधीन है। इसमें नए भवनों का निर्माण प्रस्तावित है। साथ ही प्रदर्शनी हॉल, कर्मचारी आवास एवं छात्रावास निर्माण की योजनाएं शामिल हैं। महाविद्यालय के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व को देखते हुए इस विषय को विधानसभा में भी उठाया गया, जिसके बाद शासन एवं प्रशासन का ध्यान संस्थान के विकास की ओर आकर्षित हुआ है। उम्मीद है यह प्रस्ताव अगर पास हो गया तो कॉलेज का कायाकल्प हो सकेगा।

कॉलेजों को केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया में शामिल करेगा LU

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) अब अपने सहयुक्त राजकीय और सहायता प्राप्त (अनुदानित) महाविद्यालयों में प्रवेश की राह आसान करने जा रहा है। शुक्रवार को विश्वविद्यालय के उमा हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में कुलपति की अध्यक्षता में कॉलेज प्रबंधकों की बैठक हुई। इसमें निर्णय लिया गया कि महाविद्यालयों को एलयू की 'केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया' में निःशुल्क शामिल किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन के इस कदम से कॉलेजों को दाखिले के लिए एक अतिरिक्त और प्रभावी मंच मिल सकेगा। बैठक में कुलपति ने स्पष्ट किया कि केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होना पूरी तरह से वैकल्पिक होगा। महाविद्यालय अपनी सुविधानुसार इसमें शामिल होने का निर्णय ले सकते हैं, कोई अनिवार्यता नहीं होगी। एलयू की ओर से इस बार कॉलेजों को शामिल करने की व्यवस्था लागू की गई। लेकिन निजी कॉलेजों पर एलयू की ओर से शुल्क लागू किया गया है। एलयू ने साफ कर दिया है कि सहयुक्त व राजकीय कॉलेजों को यह सुविधा निःशुल्क मिलेगी। अवध गर्ल्स डिग्री कॉलेज की प्रबंधक प्रो. निशी पाण्डेय समेत अन्य प्रबंधकों ने अपने सुझाव साझा किए।

डिजिटल गुरु बनेंगे LU के शिक्षक

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) डिजिटल एजुकेशन की ओर एक कदम और बढ़ाने जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन अपना खुद का 'लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम' (LMS) विकसित कर रहा है, जिसके बाद यहां के शिक्षक अब 'डिजिटल गुरु' के रूप में नजर आएंगे। इस नई पहल के तहत विश्वविद्यालय के शिक्षक विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए विशेष विडियो लेक्चर तैयार करेंगे, जिससे पढ़ाई का दायरा कैंपस की दीवारों से बाहर निकलकर ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर पहुंचेगा।

एलयू विशेष रूप से विवि में चलने वाले ऑनलाइन कोर्सों के लिए इसे शुरू करने जा रहा है। लेकिन इसकी सुविधा ऑनलाइन कोर्सों के अलावा अन्य छात्रों को भी मिलेगी। इस प्रोजेक्ट के तहत एलयू के अनुभवी शिक्षक अपने-अपने विषयों के लेक्चर रिकॉर्ड करेंगे। इन विडियो में न केवल थ्योरी होगी, बल्कि प्रैक्टिकल और अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं को भी डिजिटल तरीके से समझाया जाएगा। विश्वविद्यालय का लक्ष्य एक ऐसी डिजिटल लाइब्रेरी तैयार करना है, जहां छात्रों को बेहतरीन गुणवत्ता वाला शैक्षिक कंटेंट मिल सके। डिजिटल क्लास के जरिए छात्र कठिन से कठिन विषयों को बार-बार देख और समझ सकेंगे, जिससे उनकी तैयारी और भी बेहतर होगी। यह कदम लखनऊ विश्वविद्यालय को आधुनिक शिक्षा प्रणाली (NEP) के अनुरूप और भी मजबूत बनाएगा।

दूसरे विवि के छात्रों को भी होगा फायदा : एलयू की इस पहल की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इन डिजिटल क्लास का लाभ केवल लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र ही नहीं, बल्कि अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी भी उठा सकेंगे। यह सिस्टम इस तरह से डिजाइन किया जा रहा है कि कोई भी छात्र कहीं से भी लॉग-इन कर एलयू के शिक्षकों के ज्ञान और अनुभव का लाभ ले सके। इससे उन छात्रों को बड़ी राहत मिलेगी जिन्हें गुणवत्तापूर्ण कंटेंट की कमी खलती है।

लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम तैयार करने पर काम चल रहा है। इससे ऑनलाइन कोर्स के छात्र घर बैठे एलयू के शिक्षकों की क्लास कर सकेंगे।

– प्रो. जेपी सैनी, एलयू वीसी

DAINIK JAGRAN

सरकारी कालेजों का प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होना अनिवार्य नहीं

जागरण संवाददाता • लखनऊ : राजकीय व एडेड डिग्री कालेजों को लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होना वैकल्पिक होगा, जिसका निर्णय कालेज लेगा। इसमें प्रतिभाग करना अनिवार्य नहीं है। उन्हें प्रवेश लिए जाने के क्रम में अतिरिक्त मौका दिया जा रहा है। शुक्रवार को कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने राजकीय व एडेड डिग्री कालेजों के प्रबंधकों के साथ बैठक कर यह जानकारी साझा की। बैठक में करीब 20 कालेजों के प्रबंधक शामिल हुए। लवि की केंद्रीय प्रवेश प्रक्रिया को लेकर चर्चा हुई। अवध गर्ल्स डिग्री कालेज की प्रबंधक प्रो. निशी पांडेय व अन्य प्रबंधकों ने अपनी बात रखी।

कुलपति ने एडेड कालेजों के प्रबंधकों से कहा कि यदि उनकी प्रबंध समिति का अनुमोदन कालातीत हो गया है तो नया सत्र शुरू होने से पहले नियमानुसार अनुमोदन प्राप्त कर लें।

नगर निगम टैक्स, वाटर टैक्स का भी मुद्दा उठा: बैठक में विश्वविद्यालय में पहले से संचालित पाठ्यक्रमों की पुनर्संरचना किए जाने की बात कही गई, जिस पर कुलपति ने बताया कि बताया कि इस पर कार्यवाही की जा रही है। 15 माइनर डिग्री के कोर्स डिजाइन किए गए हैं, जो अगले सत्र से शुरू होंगे। यह कोर्स और बढ़ाए जाएंगे। प्रबंधकों ने कालेजों पर लगाए जाने वाले नगर निगम कर और कर, तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की नियुक्ति का मुद्दा उठाया, जिस पर क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी ने आश्वासन दिया कि नियमानुसार उनके कार्यालय में आवेदन करें। यथावश्यक कार्यवाही की जाएगी।

लवि में प्रबंधकों के साथ बैठक करते कुलपति प्रो जेपी सैनी • सौ लवि

विश्वविद्यालय के कुलपति ने राजकीय व एडेड डिग्री कालेजों के प्रबंधकों के साथ बैठक में दी जानकारी

लवि कराएगा स्वयं कोर्सों में शामिल विद्यार्थियों की परीक्षाएं

लखनऊ विश्वविद्यालय स्वयं पोर्टल के माध्यम कोर्स करने वाले अपने विद्यार्थियो की परीक्षाएं खुद कराएगा। इसको लेकर तैयारी की जा रही है। अभी तक स्वयं पोर्टल ही यह परीक्षा आयोजित कराता है। वहीं, विद्यार्थियो के क्रेडिट स्थानांतरित करने की भी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। दरअसल, स्वयं पोर्टल के जरिए विद्यार्थियों को अपने कोर्स से संबंधित 40 प्रतिशत हिस्सा स्वयं से करने का विकल्प दिया गया है।

AMAR UJALA

लविवि : महाविद्यालयों को प्रवेश प्रक्रिया में शामिल करने पर सहमति

माई सिटी रिपोर्टर

15 नए कोर्स भी होंगे शुरू, टैक्स व नियुक्ति जैसे मुद्दों पर हुई चर्चा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को अनुदानित व राजकीय महाविद्यालयों के प्रबंधकों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। अध्यक्षता लविवि के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने की। उमा हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में हुई बैठक में केंद्रीय प्रवेश प्रक्रिया में अनुदानित महाविद्यालयों को शामिल करने पर विस्तार से चर्चा हुई।

कुलपति ने बताया कि राजकीय व अनुदानित महाविद्यालयों को इस प्रक्रिया में निशुल्क शामिल किया जाएगा, हालांकि इसमें भागीदारी वैकल्पिक होगी। विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रमों के पुनर्संरचना का कार्य जारी है और 15 माइनर डिग्री कोर्स अगले सत्र से शुरू किए जाएंगे। साथ ही महाविद्यालयों को निर्देश दिया गया कि यदि उनकी प्रबंध समिति का अनुमोदन समाप्त हो चुका है तो नए सत्र से पहले उसे नवीनीकृत करा लें। बैठक में अवध गर्ल्स डिग्री कॉलेज की प्रबंधक प्रो. निशी पांडेय सहित अन्य प्रबंधकों ने सुझाव भी रखे।

बैठक में नगर निगम टैक्स, वाटर टैक्स और तृतीय-चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की नियुक्ति जैसे मुद्दे भी उठे। बैठक में कुलसचिव, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी और करीब 20 महाविद्यालयों के प्रबंधक उपस्थित रहे। कुलपति ने हर तीन माह में ऐसी बैठकें आयोजित करने की घोषणा की।

कुलपति प्रो. जेपी सैनी को मिली नई जिम्मेदारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी. सैनी को शुक्रवार को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। उन्हें अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) की उत्तरी क्षेत्रीय समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति शिक्षा मंत्रालय के अधीन एआईसीटीई की ओर से जारी अधिसूचना के माध्यम से की गई। एआईसीटीई के सदस्य सचिव प्रो. श्यामा रथ के अनुसार, प्रो. सैनी का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष का होगा। नई जिम्मेदारी के तहत प्रो. सैनी उत्तर प्रदेश सहित उत्तर भारत के कई राज्यों में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता, संस्थानों के मानक और शैक्षणिक सुधारों की निगरानी करेंगे। प्रो. सैनी ने कहा कि वह इस भरोसे पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)

DAINIK JAGRAN

लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया इंडस्ट्री का दौरा

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के नए परिसर स्थित इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट साइंसेज के एमबीए चौथे सेमेस्टर के मार्केटिंग, मानव संसाधन, वित्त और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के छात्रों ने रायबरेली स्थित एफडीडीआइ का दौरा किया। आइएमएस की ओएसडी प्रो. विनीता काचर ने बताया कि छात्रों ने चमड़े के उत्पादों के उत्पादन की विभिन्न प्रक्रियाओं का अध्ययन किया। वि.

लवि कुलपति बने एआइसीटीई की एनआरसी के अध्यक्ष

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) ने अपनी उत्तरी क्षेत्रीय समिति (एनआरसी) का नया अध्यक्ष मनोनीत किया है। परिषद के सदस्य सचिव प्रो. श्यामा रथ की ओर से परिषद ने देश की आठ क्षेत्रीय समितियों का पुनर्गठन किया है। प्रो. जे.पी. सैनी का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तिथि से आगामी तीन वर्षों के लिए होगा। उत्तरी क्षेत्रीय समिति के अध्यक्ष के रूप में प्रो. सैनी उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता, संस्थानों के मानक और शैक्षणिक सुधारों की निगरानी व मार्गदर्शन करेंगे। प्रो. सैनी का चयन उनके लंबे प्रशासनिक अनुभव व तकनीकी शिक्षा में उनके विजन को देखते हुए किया गया है। वि.

प्रो जेपी सैनी • कुलपति, लवि

VOICE OF LUCKNOW

लविवि के कुलपति प्रो. जेपी सैनी एआईसीटीई की उत्तरी क्षेत्रीय समिति के अध्यक्ष नियुक्त

लखनऊ। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन वैधानिक निकाय, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी को अपनी महत्वपूर्ण 'उत्तरी क्षेत्रीय समिति' (एनआरसी) का नया अध्यक्ष मनोनीत किया है। इस सम्बन्ध में एआईसीटीई के सदस्य सचिव प्रो. श्यामा रथ ने आदेश जारी किया। प्रो. जेपी सैनी का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तिथि से आगामी तीन वर्षों के लिए होगा। उत्तरी क्षेत्रीय समिति के अध्यक्ष के रूप में प्रो. सैनी उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता, संस्थानों के मानक और शैक्षणिक सुधारों की निगरानी व मार्गदर्शन करेंगे।

I NEXT

एलयू वीसी प्रो. सैनी को मिली नई जिम्मदारी

LUCKNOW (24 April): लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. जेपी सैनी को भारत सरकार की मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन के अधीन ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन की उत्तरी क्षेत्रीय समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. एआईसीटीई के सदस्य सचिव प्रो श्यामा रथ द्वारा जारी आधिकारिक सूचना के मुताबिक, परिषद ने एआईसीटीई अधिनियम की धारा 14(1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए देश की आठ क्षेत्रीय समितियों का पुनर्गठन किया है, जिसमें उत्तरी क्षेत्रीय समिति के कार्यभार को संभालने के लिए प्रो. सैनी को चुना गया है. प्रो. जेपी सैनी का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तिथि से आगामी तीन वर्षों के लिए होगा.

टेक्निकल एजुकेशन की बेहतरी के लिए करेंगे काम

उत्तरी क्षेत्रीय समिति के अध्यक्ष के रूप में प्रो. सैनी उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में टेक्निकल एजुकेशन की क्वालिटी, इंस्टीट्यूट्स के मानक और शैक्षणिक सुधारों की निगरानी व मार्गदर्शन करेंगे.

SWATANTRA BHARAT

लविवि के कुलपति बने उत्तरी क्षेत्रीय समिति के अध्यक्ष

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। भारत के शिक्षा मंत्रालय के अधीन वैधानिक निकाय, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने लखनऊ विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो. जेपी सैनी को शुक्रवार को उत्तरी क्षेत्रीय समिति (एनआरसी) का नया अध्यक्ष मनोनीत किया है। तकनीकी शिक्षा को नई दिशा देने में अहम भूमिका उत्तरी क्षेत्रीय समिति के अध्यक्ष के रूप में प्रो. सैनी उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता, संस्थानों के मानक और शैक्षणिक सुधारों की निगरानी व मार्गदर्शन करेंगे। प्रो. सैनी का चयन उनके लंबे प्रशासनिक अनुभव और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उनके विजन को देखते हुए किया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति होने के सा उच्च शिक्षा के प्रबंधन का व्यापक अनुभव है, जिसका लाभ अब राष्ट्रीय स्तर पर तकनीकी संस्थानों को मिलेगा। अपनी इस नई जिम्मेदारी पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रो. सैनी ने कहा कि एआईसीटीई जैसी प्रतिष्ठित संस्था ने उन पर जो भरोसा जताया है, वह उस पर पूरी निष्ठा के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

AAJ

लविवि के कुलपति प्रो. जेपी सैनी अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष नियुक्त

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो जेपी सैनी को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की उत्तरी क्षेत्रीय समिति के अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सदस्य सचिव प्रो श्यामा रथ द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, परिषद ने अधिनियम की धारा 14,1 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए देश की आठ क्षेत्रीय समितियों का पुनर्गठन किया है। प्रो जेपी सैनी का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तिथि से आगामी तीन वर्षों के लिए होगा। उत्तरी क्षेत्रीय समिति के अध्यक्ष के रूप में प्रो सैनी उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता, संस्थानों के मानक और शैक्षणिक सुधारों की निगरानी व मार्गदर्शन करेंगे। प्रो सैनी का चयन उनके लंबे प्रशासनिक अनुभव और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उनके विजन को देखते हुए किया गया है। वर्तमान में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति होने के साथ-साथ उनके पास उच्च शिक्षा के प्रबंधन का व्यापक अनुभव है, जिसका लाभ अब राष्ट्रीय स्तर पर तकनीकी संस्थानों को मिलेगा।अपनी इस नई जिम्मेदारी पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रो सैनी ने कहा कि ।अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद जैसी प्रतिष्ठित संस्था ने उन पर जो भरोसा जताया है वह उस पर पूरी निष्ठा के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उनका प्राथमिक लक्ष्य तकनीकी शिक्षा में नवाचार को बढ़ावा देना और उद्योगों की मांग के अनुरूप पाठ्यक्रम सुनिश्चित करना होगा।

HINDUSTAN

अनुदानित कॉलेजों को अब केंद्रीय प्रवेश प्रक्रिया में विकल्प

बैठक

लखनऊ, संवाददाता। एलयू से संबद्ध अनुदानित और राजकीय कॉलेजों के प्रबंधकों की बैठक शुक्रवार को कुलपति की अध्यक्षता में हुई। इसमें कुलसचिव, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी व 20 कॉलेजों के प्रबंधक मौजूद रहे।

बैठक में केंद्रीय प्रवेश प्रक्रिया में अनुदानित कॉलेजों को शामिल करने पर विस्तार से चर्चा हुई। कुलपति ने बताया कि पूर्व निर्णय के तहत राजकीय व अनुदानित महाविद्यालयों को इस प्रक्रिया में निःशुल्क शामिल किया जाएगा। हालांकि इसमें भागीदारी पूरी तरह वैकल्पिक होगी और कॉलेज अपनी सुविधा के अनुसार निर्णय ले सकेंगे। इसे प्रवेश के लिए अतिरिक्त अवसर के रूप में देखा जा रहा है। बैठक में पाठ्यक्रमों के पुनर्संरचना पर भी चर्चा हुई। कुलपति ने बताया कि 15 माइनर डिग्री कोर्स तैयार हैं।

PIONEER

LU V-C Saini appointed chief of AICTE's NEC

PIONEER NEWS SERVICE
Lucknow

Lucknow University Vice-Chancellor Prof Jai Prakash Saini has been appointed by the All India Council for Technical Education (AICTE) as the chairman of its important Northern Regional Committee (NRC) for three years from the date he assumes charge.

As chairman of the NRC, he will oversee and guide the quality of technical education, institutional standards, and academic reforms across various northern states, including Uttar Pradesh. His selection is based on his extensive administrative experience and visionary approach in the field of technical education.

He brings significant expertise in higher education management, which will now benefit technical institutions at the national level. Responding to his new responsibility, Prof Saini said that he would strive to live up to the trust placed in him by a prestigious institution like All India Council for Technical Education.